

VISIONIAS

INSPIRING INNOVATION

ABHYAAS MAINS

निबंध ESSAY

निर्धारित समय: तीन घंटे
Time Allowed: **Three Hours**

टेस्ट कोड/ Test Code : 3128

अधिकतम अंक: 250
Maximum Marks: 250

सामान्य अनुदेश

इस प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका में 32+2 पृष्ठ हैं। प्रश्न-पत्र, क्यू.सी.ए. पुस्तिका के अंत में संलग्न है, जो अलग (वियोज्य) किया जा सकता है और उम्मीदवार परीक्षा के उपरांत अपने साथ ले जा सकते हैं।
रफ कार्य के लिए तीन खाली पृष्ठ (पृष्ठ संख्या. 30-32) दिए गए हैं।
पुस्तिका प्राप्त होने पर, कृपया यह जांच कर लें कि इस क्यू.सी.ए. पुस्तिका में कोई कमी न हो, फटा हुआ पृष्ठ न हो अथवा कोई पृष्ठ गायब न हो इत्यादि। यदि ऐसा हो, तो इसके बदले नई क्यू.सी.ए. पुस्तिका प्राप्त कर लें।

General Instructions

This Question-cum-Answer (QCA) Booklet contains 32+2 pages. Question Paper in detachable form is available at the end of the QCA Booklet which can be taken away by the candidate after examination.

Three blank pages (Page Nos. 30–32) have been provided for rough work.

On receipt of the Booklet, please check that this QCA Booklet does not have any shortcomings, torn or missing pages etc. If so, get it replaced with a fresh QCA Booklet.

(उम्मीदवार द्वारा भरा जाएगा/To be filled by the Candidate)

पंजीकरण सं./Registration No. : 01064896

अभ्यर्थी का नाम/Name of Student : Srishuti Goyal

माध्यम: हिंदी/अंग्रेजी
Medium: Hindi/English

English

तारीख
Date

31/Aug/24

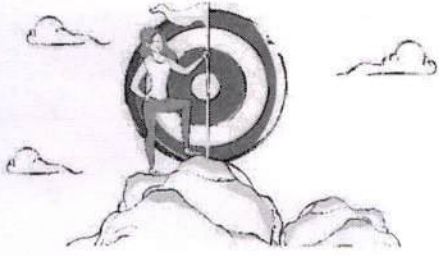
निबंध ESSAY

केंद्र
Centre

Delhi - Karol Bagh

निरीक्षक के हस्ताक्षर
Invigilator's Signature

	महत्वपूर्ण अनुदेश	Important Instructions
	उम्मीदवार को नीचे उल्लिखित निर्देश सावधानी से पढ़ लेने चाहिए। किसी भी निर्देश का उल्लंघन करने पर उम्मीदवार को मिलने वाले अंकों में कटौती, उम्मीदवारी रद्द, आयोग के परवर्ती परीक्षाओं के लिए वर्जित करने इत्यादि के रूप में दण्डित किया जा सकता है।	Candidate should read the undermentioned instructions carefully. Violation of any of the following instructions may entail penalty in the form of deduction of marks, cancellation of candidature, debarment from further Examination of the Commission etc.
1	(क) अपना पंजीकरण सं. एवं अन्य विवरण केवल प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका (क्यू.सी.ए.) में उम्मीदवार के लिए निर्धारित स्थान पर ही लिखें। (ख) इस पुस्तिका में अन्यत्र कहीं भी अपना नाम, पंजीकरण सं., मोबाइल नं., पता अथवा प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका (क्यू.सी.ए.) संख्या न लिखें जिससे आपकी पहचान का खुलासा हो।	(a) Write your Registration Number and other details only in the space provided in the Question-Cum-Answer (QCA) Booklet for candidates. (b) Do not disclose your identity in any manner such as, by writing your Name, Registration number, Mobile number, Address, Question-Cum-Answer (QCA) Booklet No. etc. elsewhere in the Booklet
2	अपनी क्यू.सी.ए. पुस्तिका में कहीं भी प्रश्नों के वास्तविक उत्तर के अतिरिक्त कुछ न लिखें जैसे कि कोई कविता/दोहा, अभद्र या अपमानजनक अभिव्यक्ति इत्यादि और न ही कोई ऐसा चिन्ह/निशान बनाएं जिसका उत्तर से सम्बन्ध न हो।	Do not write in the QCA Booklet anything other than the actual answer such as couplet, obscene, abusive expression etc., nor put any sign/mark having no relevance to the answer.
3	परीक्षक को प्रत्यक्ष/अप्रत्यक्ष रूप से कोई भी प्रार्थना/धमकी भरी बातें न लिखें।	Do not make any direct/indirect appeal/threat to the examiner.
4	उत्तर अस्पष्ट अथवा गंदी लिखावट में न लिखें। इस प्रकार के उत्तर का मूल्यांकन नहीं भी किया जा सकता है।	Do not write answers in bad/illegible handwriting. Such answers may not be evaluated.
5	उत्तर स्याही में ही लिखें। उत्तर लिखने के लिए पेंसिल का उपयोग न करें, हालांकि आरेख, चित्र इत्यादि बनाने के लिए पेंसिल का उपयोग किया जा सकता है।	Write answers in ink only. Do not use pencil for writing the answers. However, pencil may be used for drawing diagrams, sketches, etc.
6	प्रवेश पत्र में उल्लेख किए गए माध्यम के अलावा अन्य किसी माध्यम में उत्तर न लिखें। अधिकृत और अनधिकृत की मिली जुली भाषा का भी उपयोग न करें।	Do not write answers in medium other than the authorized medium in the Admission Certificate. Do not use mixed language either i.e. authorize and unauthorized media together for writing answers.
7	प्रश्नों के उत्तर ठीक उसके नीचे दिए गए निर्धारित स्थान पर ही लिखें। निर्धारित स्थान के अलावा किसी अन्य स्थान पर लिखे गए उत्तर का मूल्यांकन नहीं किया जाएगा।	Write answer at the specific space (right below the question) only. Answers written elsewhere at unspecified places in the booklet shall not be evaluated.
8	यदि आप अपने किसी उत्तर को रद्द करना चाहते हैं तो उसे पेन से काट दें तथा उस पर "रद्द" लिख दें, अन्यथा उसका मूल्यांकन किया जा सकता है।	If you wish to cancel any work, draw your pen through it and write "Cancelled" across it, otherwise it may be valued.



VISIONIAS

INSPIRING INNOVATION

ABHYAAS MAINS

निबंध

निर्धारित समय: तीन घंटे

टेस्ट कोड : 3128

अधिकतम अंक: 250

प्रश्न-पत्र संबंधी विशेष अनुदेश

(प्रश्नों के उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें)

प्रवेश-पत्र में प्राधिकृत माध्यम में निबंध लिखना आवश्यक है तथा इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुखपृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर करना आवश्यक है। प्राधिकृत माध्यम के अलावा अन्य माध्यम में लिखे गए उत्तरों पर अंक नहीं दिए जाएंगे।

प्रश्नों के उत्तर निर्दिष्ट शब्द-संख्या के अनुसार होने चाहिए।

प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़े गए किसी पृष्ठ व पृष्ठ के भाग को पूर्णतः काट दीजिए।

ESSAY

Time Allowed : Three Hours

Test Code : 3128

Maximum Marks : 250

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

(Please read each of the following instructions carefully before attempting questions)

The ESSAY must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.

Word limit, as specified, should be adhered to.

Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

EVALUATION INDICATORS

1. Contextual Competence
2. Content Competence
3. Language Competence
4. Introduction Competence
5. Structure - Presentation Competence
6. Conclusion Competence

Overall Macro Comments / feedback / suggestions on Answer Booklet:

1.

2.

3.

4.

5.

6.

All the Best

खंड A और B प्रत्येक से एक-एक विषय चुनकर दो निबंध लिखिए, जो प्रत्येक लगभग 1000-1200 शब्दों में हो :

Write **two** essays, choosing **one** topic from each of the Sections A and B, in about 1000-1200 words each :

125 x 2 = 250

उम्मीदवारों को
इस हार्शिए में
नहीं लिखना
चाहिए
Candidates
must not
write on
this margin

खण्ड – A / SECTION – A

1. विश्व को एक साथ मिलकर कार्य करना सीखना होगा अन्यथा यह कार्य ही नहीं करेगा।
The world must learn to work together, or finally it will not work at all.
2. कला की भांति प्रौद्योगिकी भी मानवीय कल्पना का एक उत्कृष्ट अभ्यास है।
Technology, like art, is a soaring exercise of the human imagination.
3. हमने बेटियों को बेटों की तरह पालना तो शुरू कर दिया है लेकिन, कुछ ही लोगों में अपने बेटों को अपनी बेटियों की तरह पालने का साहस है।
We've begun to raise daughters more like sons, but few have the courage to raise our sons more like our daughters.
4. लोगों की इच्छा अन्याय को न्याय नहीं बना सकती है।
The will of the people cannot make just that which is unjust.

खण्ड – B / SECTION – B

5. किसी विचार को स्वीकार किए बिना उसपर विचार करने में सक्षम होना ही शिक्षित मस्तिष्क की पहचान है।
It is the mark of an educated mind to be able to entertain a thought without accepting it.
6. एक ऐसी दुनिया में, जो लगातार तुम्हें कुछ और बनाने का प्रयास कर रही है, स्वयं को बनाए रखना सबसे बड़ी उपलब्धि है।
To be yourself in a world that is constantly trying to make you something else is the greatest accomplishment.
7. हम चीजों को वैसा नहीं देखते हैं जैसी कि वे होती हैं, बल्कि हम उन्हें वैसा देखते हैं जैसे कि हम हैं।
We don't see things as they are, we see them as we are.
8. सच जब तक अपने जूते पहन रहा होता है, झूठ तब तक आधी दुनिया का सफ़र तय कर लेता है।
A lie can travel half way around the world while the truth is putting on its shoes.

खण्ड – A / SECTION – A

1. विश्व को एक साथ मिलकर कार्य करना सीखना होगा अन्यथा यह कार्य ही नहीं करेगा।
The world must learn to work together, or finally it will not work at all.
2. कला की भांति प्रौद्योगिकी भी मानवीय कल्पना का एक उत्कृष्ट अभ्यास है।
Technology, like art, is a soaring exercise of the human imagination.
3. हमने बेटियों को बेटों की तरह पालना तो शुरू कर दिया है लेकिन, कुछ ही लोगों में अपने बेटों को अपनी बेटियों की तरह पालने का साहस है।
We've begun to raise daughters more like sons, but few have the courage to raise our sons more like our daughters.
4. लोगों की इच्छा अन्याय को न्याय नहीं बना सकती है।
The will of the people cannot make just that which is unjust.

The world must learn to work together,
or finally it won't work at all

उम्मीदवारों को
इस हार्शिए में
नहीं लिखना
चाहिए
Candidates
must not
write on
this margin

In the midst of late twentieth century,
when the leaders of the world were
busy extracting resources from mother
earth to feed their industries, scientist
observed something unusual in the space.
The expanding hole in our protective
shield, the ozone layer. Alarm bells
ringed, countries set out their strategies,
nothing worked.

It was, when the world came
together in the Vienna convention and
signed the first universally ratified
montreal protocol, the correct path was
carved. It bore the fruits with the
reversing that ozone hole.

This justifies the adage, that the
"world must learn to come and work
together, or finally it will not work
at all". But this brings us to
question, are we working together today?

Have we mastered our boats strong enough to sail through the tumultuous tides of ocean of future challenges? or we are we falling apart. Let's delve deeper to find answers to these questions.

The world must learn to work together

Yuvraj Neethi Harari in the 'sapiens' writes, that we, the homo sapiens sapiens were able to survive and dominate the world species. not because of our size but unique ability to cooperate. The skill of communication, and strategising together made us defeat even the more powerful species. the neanderthals.

It took millions of years for us to stand, but once we did. we flew together to build today's world. However, this world in process has been marred with global challenges.

The disturbance of ecological equilibrium. rising global uncertainties are few to name. These challenges calls the

human species again to learn to work together.

"Together we stand. Divided we fall"

As each water droplet contributes to fill the ocean, working together provides us the collective strength.

The colonial Britishers used the policy of divide and rule, but it was collective civil disobedience and national struggle that let India to breathe the air of freedom again.

The recent global pandemic, COVID-19 showed us the ugly face of non-cooperation. Vaccine nationalism, neglecting global responsibility, took the lives of millions. India's vaccine mission came as a ray of hope, which taught the world, the importance of helping each other in the times of crisis.

Working together also leads to fusion of ideas and leads to innovation.

Today, as we are on crossroads of energy transition to green resources, the world needs ideas from across the spectrum. ITER, International space station has set good examples of global cooperation in research for real life issues. But the fruits of them needs to be distributed equitably among the society.

Resource mobilisation, also occurs when each of us comes together to contribute our bit. Today, IPCC has already warned of global temperatures risen by 1°C . And the impacts will not be on one country, but the clouds of destruction raining everywhere, irrespective of political boundaries. "Climate change is our biggest threat", an existential crisis. Developed nations need to respect the historical injustices and fulfill collective responsibility, else we will be only left to see the anthropocene mass extinction.

Not only for current global problems,
moving together also arms us with
pre-adaptability to the future
problems. As political scientist,
Nichel Foucault says, "Knowledge is
power". collective minds has the
ability to predict future with
their knowledge. The sleeping
potential monster, Artificial intelligence
is calling us to be ready to deal
with future repercussion. It is the
time for all of us to come together
to harness all good. But keep the
evil spirit in control by forming
global governance and regulation
framework.

Dark clouds

The rising tension of individualism,
nation first has led to de-globalisation,
rising trade wars and disruption
in global supply chains.

This has resulted in increased
inequality in the world, further
creating barriers in cooperation.

Increasing geopolitical tensions and
global mass, will not give time
to let us decide who is right,
but potentially no one will even be
left to witness the end of the war.

Saving the silences living in the clouds
it is the ticking bomb. for us to
come together.

" Global problems require global
solutions " - UN

Firstly we need to set the basic rights
cherish the values of vasudhaiva
kutumbam, as the path shown by
India at G20. Giving opportunities to
every voice

VisionIAS

VisionIAS

VisionIAS

VisionIAS

VisionIAS

खण्ड – B / SECTION – B

उम्मीदवारों को
इस हाशिए में
नहीं लिखना
चाहिए
Candidates
must not
write on
this margin

5. किसी विचार को स्वीकार किए बिना उसपर विचार करने में सक्षम होना ही शिक्षित मस्तिष्क की पहचान है।
It is the mark of an educated mind to be able to entertain a thought without accepting it.
6. एक ऐसी दुनिया में, जो लगातार तुम्हें कुछ और बनाने का प्रयास कर रही है, स्वयं को बनाए रखना सबसे बड़ी उपलब्धि है।
To be yourself in a world that is constantly trying to make you something else is the greatest accomplishment.
7. हम चीजों को वैसा नहीं देखते हैं जैसी कि वे होती हैं, बल्कि हम उन्हें वैसा देखते हैं जैसे कि हम हैं।
We don't see things as they are, we see them as we are.
8. सच जब तक अपने जूते पहन रहा होता है, झूठ तब तक आधी दुनिया का सफ़र तय कर लेता है।
A lie can travel half way around the world while the truth is putting on its shoes.

It is the mark of an educated mind to be able to entertain a thought without accepting it

उम्मीदवारों को
इस हशिप में
नहीं लिखना
चाहिए
Candidates
must not
write on
this margin

on a fine day, when Gautam Buddha was enlightening the masses with his words of wisdom, a man came and started abusing him, also spat on his face. But Gautam Buddha didn't say a word rather smiled. The man astonished asked for the reason. Buddha said. it was his right to speak and whatever he spoke was his perception. But not to accept it is my right. The abuses stayed with him as the gift stays in the hands of the owner. But peace stayed with Buddha. That's the reason he is known as "Buddha" the enlightened one.

His mind was educated, later able to entertain a thought without accepting it. But the other man was uneducated. who was not able to take wisdom of Buddha.

This story reflects how a truly educated mind breeds tolerance. It opens the doors of mind and fills it with respect and love for others.

But today, though the number of literate people are rising but the people now are ready to hear others are shrinking. This makes us to question are we really educated?

Educated mind : The gift to humanity

Vedas encapsulates "let the information come from all sides". A truly educated mind is one which is open to different ideas. Has humility and respect to listen and act according to own wisdom. They practise mindfulness and responds instead of reacting like Buddha.

An educated mind is one which has infinite quest for knowledge and knows how to use it for good of all.

They align their character with their knowledge to serve the world. Possess purpose larger than life and lines rather than existing. Learning there eternal margins, like the great souls. Buddha, Mahavira, Krishna and Jesus. But the question arises, how these people are able to practice?

Marg of educated mind : Accepting or entertaining the thought without accepting it

" I may not agree with you, but I will defend your right to speak your mind. until my last breath" -

A wise and educated person knows that there is no one truth, but only different perceptions.

'Ankentalavada' theory of Jainism explains it with the blindfolded person and elephant description theory".

When we know, there is nothing which is absolute. it sounds as to appreciate the beauty of divinity

The concept of debate, deliberation
and discussion stems from the
same idea. It is practised since
ancient times like Gargi and Yagnavalkya
debate, Anubhav mandapam by
Basavarana or the modern parliament
The different views helps in providing
holistic view and a more comprehensive
and acceptable solution.

It fosters mutual cooperation
and lightens the darkness of mind.
When India was setting its foundation
of scientific excellence after independence,
the two great scientists, Homi Bhabha
and Vikram Sarabhai were stuck at
odds over issues of buying nuclear
power and carrying forward space
program. Both didn't accept
each other's views but supported, even
stood. today, establishing ISRO and DRDO.

Gandhi's belief, victory lies in
"changing the heart and minds"

he was ardent believer of tolerance and agreed to listen to portishere but also resolute to mess best for nation. He said "tolerance is not meekness - not a tool to be used by meek but strong"

His idea of satyagraha springs from his tolerance and ability to stand with truth amid different voices. He tolerated the sinners but not the sin.

Moreover, an educated mind knows, solution to a problem is not in being adamant but coming on the same page. When recently, maldives led the 'India out campaign', India didn't react but responded with goodwill and aid relief is eventually bearing fruits.

This brings us to fundamental question. why it is important to have an educated mind and what are the hurdles.

The light and the shadow

Today, we are living in the world, riddled with divisions, rising fundamentalism and global conflicts.

The tides of modernity not only brought development but also individualism, self-centrism and intolerance.

An educated mind brings peace like Obama while uneducated mind creates chaos in the world like Obama. The former believes in compassion like Gandhi, the latter believes in destruction like Hitler. The former believes in "sava of jiva" like Swarin Vinayakdas but the latter in fulfillment of own desires like tearshad mehta.

The rising intolerance is not only breaking the ties of humanity, weakening the social fabric but also destroying the mother nature.

and future of our generations.

The stones in the path of tolerance

The pursuit of nation first,
individualism, profit over people
and planet is breeding intolerance
to ideas of globalisation,
sustainable development.

Education without morals have
created the monsters of today
as seen in the infamous Kolkata
rape and murder case.

The echo chamber created by
social media and voices all around
has killed the rationality among
us, becoming tolerant to one while we
ideolise but extreme intolerant to
other views. This has led to
rise of religious fundamentalism, terrorism
in the world. Even, the biasness
in value neutral technologies like
artificial intelligence.

can an educated mind be also intolerant?

The education is not about being literate. It is well used with knowledge. But it is the character with knowledge which make a person "learned". Thus an educated person can be intolerant like Margaret who reacted with discrimination to white or can be Mandela!

Forming educated mind

Socialization is the first key. As Margaret Mead said, child rearing practice shapes the personality. A good mind of moral education is his of Panchajanya system needs to be inculcated.

Second comes the role of schools and educational institutions.

APJ. Kalam said - I believe the role of mother, father and teacher is most important to create nation of beautiful minds

The next is cherishing the civilizational values of "sandhaiya karmantakari" by nations and world all over. India shown the path at G20 summit. It is the time, to world to adopt it.

And, most importantly, ensuring the global inequalities and deprivation is key to bring everyone on same page, to build capabilities, so they can be more wise and educated. The fulfillment of SDG goals is necessary to it.

In nutshell, it is responsibility of the society and individual to create educated mind. Like Buddha, we each of us, need to practice true meaning of education.

then only we can rise as a civilisation
become immense and make the
world a better place to live.

उम्मीदवारों को
इस हार्शिए में
नहीं लिखना
चाहिए
Candidates
must not
write on
this margin

VisionIAS

उम्मीदवारों को
इस हार्गिए में
नहीं लिखना
चाहिए
Candidates
must not
write on
this margin

VisionIAS

The world must learn to work together or finally it will not work at all

SPACE FOR ROUGH WORK

Dimensions

1. World must learn to work together - challenges.
 2. How it will not work else (-)
 3. What is stopping us, when tried -
 4. What can we do now not to fail?
 5. Do we also need to work together, won't it work at all?
 6. How can we synergise indiv world efforts?
 7. CR, Conclⁿ.
- when we need, when too late?

1. Hist
2. Geo
3. A&Cult
4. Socly
5. Polity
6. IR
7. Eco
- Eur
- ST
- Disast
- Sec
- Ethics
- Edv
- Scinty
- Int
- Public
- Global
- Envt

Ang^m

1. Histo → H. sapiens → Meand → Yuval Noah Harari - unique ability to coop. not to - success. (Sapiens)

1. Perfecting strategy → "United we stand" (SDGs)
2. Fusion of ideas & knowledge
3. Resource mobilⁿ
4. Adaptability
5. Power to overcome challenges
6. Prevention

2. Divided we fall

1. Climate change
2. Deglobⁿ, trade war
3. Inequalities
4. Vaccine India
5. Geo pol. instab.
6. Value degradⁿ
7. Relig. Fund.
8. Tels. & rain
9. Fall of empires. USSR.

3. Stopping →

1. Indiv²
2. Nationalist approach
3. Contra culture ↑ UK was - no right - but
4. Harsh persⁿ - material
5. Revoligible - underlying
6. Pareto → Geopol. probh

4

Eg

"Ganga = trib → Gov system - → see latest film"

"each drop fall to ocean"

Ozone hole - Vienna Montreal Prot

+ NKR Glu² India - vaccine

India - India struggle

climate change

COVID → Euro defⁿ

"we belong to earth not water belong"

Tulu - in water

"Global problem global solⁿ"

shrinking world pie

reversing indiv

"Our gods in god of all" - Vbhat

Int. inst. only → danger

India emerge - under rip, sha ineq.

→ today in Nu

no body safe

UK,

Value degⁿ → indivⁿ → 30 terrorism → no body safe not all

SPACE FOR ROUGH WORK

- working together →
- 1) Getting the basic right / Structure. Non-singling root →
Vasudha. Kurpal → 7. @ G20 → South voice →
inequality, rep
 - 2) Deepening this → GVSC
 - 3) Instable of global energy - ONDAS, reformed
multilateral
 - 4) Intern. gov → on the challenge.
 - 5) Tolerance - Some chronic ambitions, some chronic
sublimina.
 - 6) CBDR → even problem.

- 5) How 2 → need to work together → building global - don't mean not abandon
"to foster peace at, need to be strong inside" → Admission → Self reliance not self
confidence → to actively participate in world
affairs. Strength on self to be reputing global play.

- 6) Synegisim → Means to end → one strategy to achieve goals
global prosperity → this global local
all → social origin → locality of SDGs, regions begin
all work together + eff. → world on.
Today, thing fine. think on crisis of Norax, climate change.
existential crises → bomb is ticking. need to act together.
fact in our city → to make the world beaut.

total → Montreal prob.

medium mind house to → edu is not only unusual age, or today west based u.
→ it is both ability to use the knowledge, have spirit method.
chao. Then, an uneducated mind. can also rise to defeat
where edu doesn't → Magabe V/S Mandela
Sindhu Tai V/S Ketter.
salapal

Culture → social → mental → reaching points in per, total
→ role of school &, APT - role &
→ national spirit → cherry hills, tdum, seva dh sube
→ deep mind → www.visionias.in
→ Point → SDGs → all pro to make beaut.
→ challenge → indian mind → work with dom edu no new
→ train pract of scale of edu to be useful world →

SPACE FOR ROUGH WORK

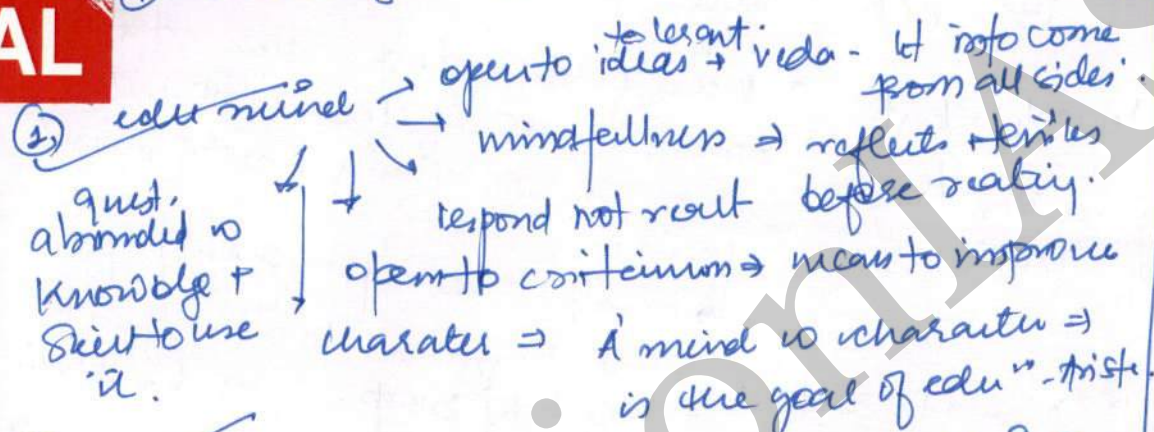
It is the mark of an educated mind → entertain thought without accepting it.

eg

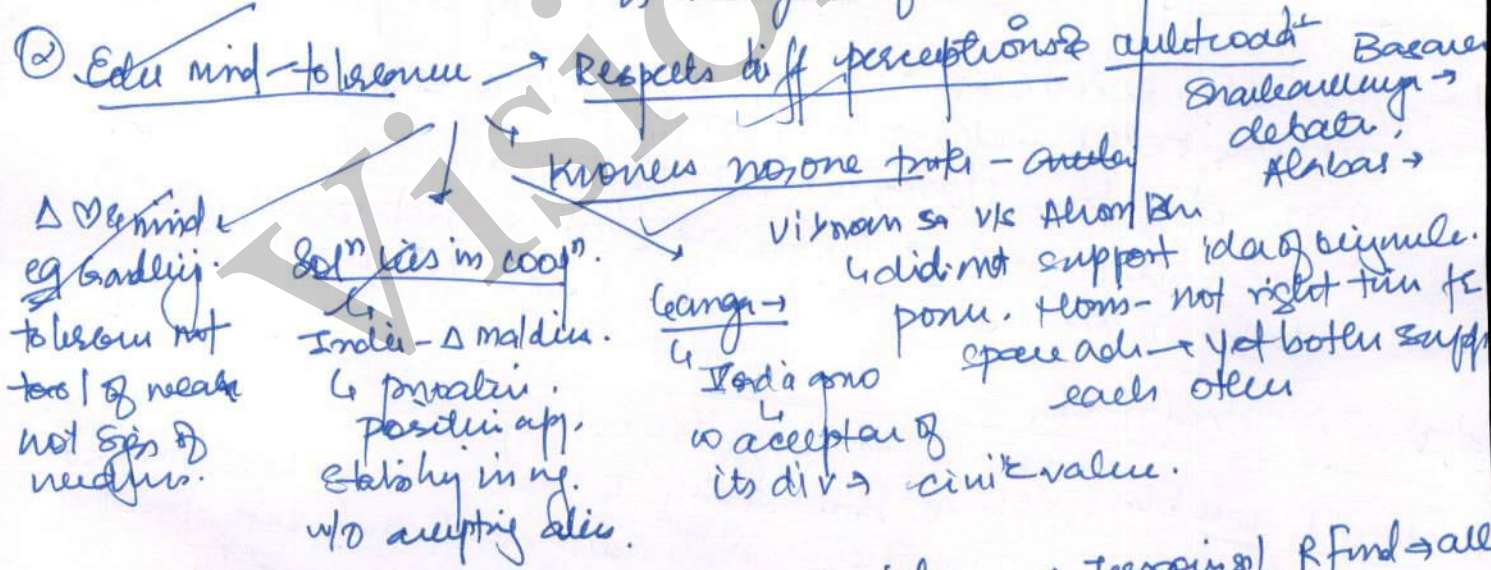
"I may differ but will not be provoked until my last breath".

- ① Symbolism of edu mind
- ② How edu mind able to entertain thought w/o accepting it
- ③ Why it is needed?
- ④ Can an unedu mind use home tolerance?
- ⑤ Can edu mind also be intolerant?
- ⑥ How to cultivate tolerance in edu mind
- ⑦ Challenges: ⑧ solⁿ ⑨ W.F.

AL



Buddha - main → abused + start on his → linked to his → his right + his perception → smiled as he did accept the al... "Buddha".



③ → Peace in the mind & society → Terrorism, R find → all

Cooper^m, Compassion → Jiva Jiva.

One some diff → racism, brian. ↓

Creators of nation → A. krish civ^z grow w accep of idea

Cen^z MY → soft state.